छत्तीसगढ़ परब को दिया जा रहा बढ़ावा आदिवासी संस्कृति : चार वर्षों में 2763 देवगुड़ी के लिए राशि 5185.83 लाख रुपए स्वीकृत

- आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने देवगुड़ी की राशि एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख तक

रायपुर (आरएनएस)। आदिवासी संस्कृति की अपनी एक विशिष्ट पहचान है। उनकी बोली भाषा, संस्कृति, परम्परा से, रीति रिवाजों से जाना जाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त 2022 से शासकीय अवकाश का लाभ देकर उनकी बरसों की मांग पूरी कर दी है। ताकि अपने रीति रिवाजों और त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना सकें छत्तीसगढ़ शासन उनके विकास के लिए अनेकों काम कर रही है। आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आदिवासी सांस्कृतिक का परिरक्षण एवं विकास योजनान्तर्गत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में आदिवासियों के पूजा एवं श्रद्धा स्थलों पर देवगुड़ी के निर्माण मरम्मत योजना संचालित है। विगत साढ़े चार वर्षों में देवगुड़ी ठाकुरदेव एवं सांस्कृतिक केंद्र घोटुल निर्माण, मरम्मत योजना अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली राशि में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि की गई है। प्रति देवगुड़ी की राशि 1 लाख रूपए से बढ़ाकर 5 लाख रूपए प्रति देवगुड़ी कर दिया गया। योजना के स्वरूप राशि में 5 गुना वृद्धि हुई है। इसके साथ ही अबुझमाडिया जनजाति समुदायों में प्रचलित घोटुल प्रथा को संरक्षित रखने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन ने विगत चार वर्षों में 2763 देवगुड़ी के लिए राशि 5185.83 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। साथ ही अबुझमाडिया संस्कृति के विकास और उत्थान के लिए बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले में 104 घोटुल निर्माण के लिए राशि 470.00 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। आदिवासी के त्योहारों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना की शुरुआत की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना अंतर्गत आदिवासियों में तीज,सरना,देवगुड़ी,नवाखाई,छेरछेरा, अक्ती,हरेली त्यौहारों, उत्सवों मेला,मड़ई जात्रा आदि पर्व की परम्परागत संस्कृति का विकास और उनके आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण करने के लिए योजना की शुरुआत की गई है। अनुसूचित क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि 10 हजार रुपए दिए जाने का प्रावधान है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना के क्रियान्वयन के लिए राशि 5 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2023-24 में वित्तीय नियमानुसार प्रथम किस्त की राशि 5 हजार के मान से 5633 ग्राम पंचायतों को डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में राशि 281.85 लाख हस्तांतरित की गई।

महत्वपूर्ण एवं खास

प्राकृतिक पेंट के विक्रय से 4.78 करोड़ रुपए की आय

रायपुर (आरएनएस)। गौठानों में विविध आयमूलक गतिविधियों के संचालन के साथ-साथ गोबर से प्राकृतिक पेंट का उत्पादन तेजी से होने लगा है। वर्तमान में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए 51 यूनिटें स्थापित की जा चुकी है, जिसमें से 49 यूनिटों में गोबर से प्राकृतिक पेंट उत्पादन किया जा रहा है। क्रियाशील यूनिटों के माध्यम से अब तक 2,03,483 लीटर प्राकृतिक पेंट, 1,00,427 लीटर डिस्टेम्पर तथा 9064 किलो पुट्टी का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 1,66,020 लीटर प्राकृतिक पेंट, 68,260 लीटर डिस्टेम्पर तथा 2840 किलो पुट्टी के विक्रय से कुल 4 करोड़ 78 लाख 37 हजार रुपए की आय हुई है।

सड़क हादसे में रोजगार सहायक की मौत

बलरामपुर (आरएनएस)। रामानुजगंज जिले के सामरी थानाक्षेत्र के ग्राम चुटईपाठ रोड पर दो मोटरसायकलों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक रोजगार सहायक था। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत जिगनिया में ग्राम रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ ग्राम चुटईपाठ निवासी धनेश्वर नगेशिया (34 वर्ष) गुरुवार को जनपद पंचायत कुसमी के सभा कक्ष में एसडीएम और एसडीओपी द्वारा रखी गई बैठक में शामिल होने के लिए गया था। वहां से शाम को अपनी बाइक से वापस चुटईपाठ लौट रहा था। इसी बीच रास्ते में अंबाकोना मोड़ के पास चुटईपाठ की ओर से आ रहे आ रहे दंपति दंपती शांति और मंगल साय की बाइक से आमने सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में धनेश्वर नगेशिया को गंभीर चोटें आई थी। वहीं दूसरे बाइक पर सवार दंपत्ति भी घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चुटईपाठ निवासी भाजयुमो मंडल महामंत्री विवेक कश्यप ने अपने निजी वाहन से घायलों को पहले कुसमी अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल रोजगार सहायक धनेश्वर नगेशिया को विवेक कश्यप के वाहन से अंबिकापुर ले जाया जा रहा था इसी बीच रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

रंजिश के चलते युवक को पीटा

रायपुर (आरएनएस)। ग्राम सोनेसिल्ली नवापारा में पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजूराम साहू 32 वर्ष ग्राम सोनेसिल्ली का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी भूषण यादव व अन्य दो ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। सिविल लाइन पुलिस ने चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि न्यायालय परिसर के पास एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी सोनू महार 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25,27 आम्र्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

10 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के टिकरापारा थाना पुलिस ने भाठागांव बस स्टैंड पार्किंग के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक लाख रूपए कीमत का 10 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक अपने पास भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ है तथा बेचने के फिराक में घूम रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दीपक कुमार वर्मा नामक युवक को पकड़ा तथा उसकी तलाशी ली तो उसके बैग से 10 किलोग्राम गांजा मिला। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया है।

नए सेप्टिक टैंक को बनाया शराब बनाने की मशीन, एक की मौत, दो गंभीर

कोरबा (आरएनएस)। शराब बंदी की मांग करते हुए साढ़े वर्ष का समय बीत गया लेकिन हुआ कुछ नहीं। इसके ठीक उल्टे जहां-तहां मनमाने तरीके से शराब बनाने और दूसरे क्षेत्रों से शराब की खेप लाकर बेचने के मामले लगातार प्रकाश में आ रहे हैं। इन सबके बीच कोरबा के सीतामढ़ी क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बनाने और धन कमाने के चक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सेप्टिक टैंक में यह काम किया जा रहा था। पीड़ित को बचाने के चक्कर में नीचे उतरे दो और लोग महुआ के दुष्प्रभाव से मूर्छित हो गए। उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कोरबा नगर के सीतामणी क्षेत्र में यह घटना हुई है जिसमें अवैध कार्यों की पोल खोलकर रख दी। बताया जाता है कि यहां पर एक परिवार के द्वारा नए मकान का निर्माण कराया जा रहा है। इसके पिछले हिस्से में टॉयलेट के लिए सेप्टिक टैंक तैयार किया गया। इसे अभी उपयोग में शामिल नहीं किया गया था। 10 फीट गहराई वाले सेप्टिक टैंक को जरूरत से कहीं ज्यादा उपयोगी और आर्थिक रूप से लाभदायक बनाने का विचार कुछ लोगों के दिमाग में आया। उन्होंने सोचा कि कुछ अच्छा किया जाए ताकि आमदनी हो सके। इसके लिए महुआ की शराब बनाने की योजना पर काम किया गया। सेप्टिक टैंक में पर्याप्त जगह थी इसलिए इसमें अधिक मात्रा में महुआ डंप करने के साथ उसे सड़ाने की कार्यवाही की गई। निश्चित दिवस के बाद उसे हटाने और फिर अगला काम करने पर जोर दिया गया। खबर के मुताबिक 30 वर्षीय नरेंद्र कुमार सहित सेप्टिक टैंक में उतरा था। महुआ के सड़ने से उत्पन्न गैस के दुष्प्रभाव से वह इसकी चपेट में आ गया। चाहकर भी वह बाहर नहीं आ सका। ज्यादा समय होता देख मान गुड्डू और बिहारी यादव नीचे उतरे। उन्हें उम्मीद थी कि वे दोनों नरेंद्र को सही सलामत उपर लाने में सफल हो जाएंगे। लेकिन महुआ की गंध के असर से उनका भी बुरा हाल हो गया और वे भी मूर्छित हो गए। अन्य लोगों ने इस पर संज्ञान लिया जिसके बाद किसी तरह से तीनों को निकाला गया और अस्पताल भिजवाने की कार्यवाही की गई। चिकित्सक ने प्राथमिक परीक्षण के साथ नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया जबकि दो मूर्छित युवकों को उपचारार्थ भर्ती किया गया है। कोतवाली पुलिस ने मिली सूचना पर 174 सीआरपीसी के अंतर्गत मर्ग कायम किया है और आगे की कार्यवाई करने की बात कही है।

गौठानों में 9.02 लाख रुपए का गौमूत्र क्रय, गौमूत्र कीटनाशक एवं जीवामृत के विक्रय से 59.04 लाख की आय

रायपुर (आरएनएस)। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में 4 रूपए लीटर की दर से अब तक 2 लाख 25 हजार 507 लीटर गौमूत्र क्रय किया गया है जिसका मूल्य 9 लाख 2 हजार 28 रूपए है। गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गौमूत्र से अब तक 96,968 लीटर कीट नियंत्रक ब्रम्हास्त्र और 35,290 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत का उत्पादन किया जा चुका है, जिसका विक्रय किया जा रहा है। इससे राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य के किसानों द्वारा अब तक 93,777 लीटर जैविक कीटनाशक ब्रम्हास्त्र और 33,193 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत क्रय कर खेती में उपयोग किया गया है। जिससे समूहों को कुल 59 लाख 4 हजार 475 रूपए की आय हुई है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने खाद-बीज की दुकानों पर दी दबिश, 74 विक्रेताओं को जारी किया नोटिस, 14 के लाइसेंस किए निलंबित

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में किसानों को मानक स्तर के रासायनिक उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर शासन-प्रशासन ने सख्त रूख अख्तियार कर लिया है। पूरे राज्य में खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेता प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल का अभियान तेजी से जारी है। जिलों में कृषि विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम अपने-अपने इलाके में खाद-बीज विक्रेता प्रतिष्ठानों एवं कृषि सेवा केन्द्रों में औचक रूप से दबिश देकर वहां बेची जा रही खाद एवं बीज के सैम्पल लेने के साथ ही स्टाक पंजी, बिल बुक सहित अन्य दस्तावेज की जांच पड़ताल कर रही है। बीते दो दिनों में राज्य में खाद-बीज और कीटनाशक औषधि विक्रेता प्रतिष्ठानों की औचक जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर तीन प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया है। 14 के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं और 74 विक्रेताओं को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। इस मामले में सबसे ज्यादा कार्रवाई गरियाबंद जिले में हुई है। गरियाबंद जिले में 62 कृषि सेवा केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस, तीन प्रतिष्ठानों में खाद-बीज विक्रय को प्रतिबंधित किए जाने के साथ ही 13 दुकानदारों के लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ की बेटी का दुबई में कमाल

दुर्गा ने तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीता गोल्ड मेडल

राजिम (आरएनएस)। जीत के लिए जूनून चाहिए, आत्मविश्वास रगों में खूब चाहिए, ये आसमान भी आएगा जमी पर, बस इरादों में जीत की गूंज चाहिए, जी हां छत्तीसगढ़ की बेटी दुर्गा ने यह साबित कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की बेटी समंदर के उस पर भी कम नहीं है. दराअसल, छुरा की रहने वाली दुर्गा ने एक बार फिर प्रदेश का मान बढ़ाया है. दुर्गा ने दुबई में आयोजित बॉक्सिंग चैंपियनशिप टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है.

बता दें कि दुबई में 8वीं संयुक्त भारतीय खेल ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप टूर्नामेंट 1 अगस्त से 6 अगस्त तक आयोजित है, जिसमे केन्या , भारत, फिलीपींस, दुबई, थाईलैंड, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और पाकिस्तान ने भाग लिया है. इसमें छत्तीसगढ़ के छुरा नगर से दुर्गा चंद्राकर ने भी बॉक्सिंग चैंपियनशिप टूर्नामेंट में 50 किलोग्राम महिला वर्ग फ्री स्टाइल में भाग लेकर फिलीपींस की जॉर्जी, केन्या के मेई और दुबई की अल्फलिस्ता को हराकर फाइनल में पहुंची और श्रीलंका की मैरी थमसन को को एकतरफा हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है.

कोरबा रेंज के तीन स्थानों पर विचरणरत हाथियों के दल से बढ़ा खतरा

कोरबा (आरएनएस)। वन मंडल कोरबा अंतर्गत कोरबा परिक्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर 16 हाथी घूम रहे हैं। जिससे ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। चूंकि इस समय खेती किसानी का काम जोरो से चल रहा है। ऐसे में ग्रामीण घरों से निकल कर अपने.अपने खेतों में पहुंच रहे है। कई ग्रामीणों के खेत जंगल के बीच स्थित है। अतरूउन्हें वहां अपने खेतो में जाना पड़ रहा है। ऐसे में इन ग्रामीणों का हाथियों से सामना हो सकता है। वन विभाग संभावित खतरो को टालने के लिए हाथियो की मौजुदगी वाले क्षेत्र में लगातार मुनादी कराकर ग्रामीणों को सर्तक कर रहे है। बावजूद इसके वन विभाग की चेतावनी को नजर अंदाज कर ग्रामीण खेतो अथवा जंगलो में पहुंच जा रहे है। जिससे खतरा और भी बढ़ गया है।

जानकारी के अनुसार एक दर्जन हाथियो का दल कोरबा रेंज के गेराव जंगल में है। इस दल ने बीती रात आसपास के गांवो बासाखर्रा, घोटमार तथा गेराव गांव में पहुंचकर भारी उत्पात मचाया और कई ग्रामीणों के खेतो में लगे धान के थरहे को रौंद दिया । ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आकलन करने में जुट गया है। वहीं दो हाथी झुंड से अलग होकर चाकामार पहुंच गया। दो हाथियों के चाकामार पहुंचने की सूचना पर वन विभाग सर्तकता बरतते हुए चाकामार पहुंचकर हाथियो की निगरानी में लग गया है। उधर करतला वनपरिक्षेत्र में मौजूद दो लोनर हाथी बीती रात कोई के रास्ते कोरबा रेंज की सीमा पर प्रवेश कर सरदुकला जंगल जा पहुंचा। सरदुकला क्षेत्र में लोनर हाथियो के दस्तक देने की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गांव में पहुंचकर मुनादी के काम में जुट गए है। ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि गांव के जंगल में दो लोनर हाथी घूम रहे है। अतरू वे जंगल से दूरी बनाए रखे। कटघोरा वन मंडल में बड़ी संख्या में हाथियो की मौजूदगी बनी हुई है। जो जटगा पसान व केंदई रेंज में है। केंदई रेंज में 17 हाथियो को रोदे पहाड़ पर देखा गया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा अधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

वर्षा ने सूखते खेतों में लौटाई हरियाली, रोपाई कार्य ने पकड़ी रफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। जिले में दो दिन पहले चली वर्षा की झड़ी ने खेती को गति प्रदान कर कर दी है। जुलाई माह में 18 दिन से रूकी प्रथम चरण की खेती ने रफ्तार पकड़ ली है। एक जून से अब तक 5,404.4 मिली मीटर वर्षा हो चुकी है। यह आवश्यक वर्षा से 668.23 मिमी अधिक है। सप्ताह भर पहले सूखते खेतों में उबरने के बाद रोपा और बियासी का काम लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। शेष 20 प्रतिशत खेती कार्य पखवाड़े भर में पूरे हो जाने की उम्मीद है।

थम-थम कर हुई वर्षा ने सूखते खेतों में हरियाली लौटा दी है। खेत में पानी भरने से अब रोपा व बियासी का काम भी तेज हो गया है। किसानों की माने तो वर्षा जारी रहने से रोपाई करने में कठिनाई हो रही थी। जल प्रवाह से रोपे गए थरहा के बहने की संभावना बढ़ गई थी। धूप निकलने से खेतों में पानी का भराव स्थिर हो गया है। जहां रोपाई हो चुकी है वहां धान के पौधे तेजी से विकसित होंगे। एक जून से अब तक 5,404.9 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। मानसून का साथ होने से पखवाड़े भर के भीतर प्रथम चरण की खेती का कार्य पूरा हो जाएगा। जिला कृषि विभाग ने इस खरीफ वर्ष के लिए 81 हजार 144 हेक्टेयर में धान की फसल का लक्ष्य रखा है। चार दिन पहले 72 हजार 185 हेक्टेयर में रोपा, लेही व कतार खेती हुई थी। अभी हुई वर्षा से इसका आंकड़ा बढ़कर 77 हजार 834 हेक्टेयर पहुंच गया है। रोपाई समय पर नहीं होने के कारण कई खेतों के थरहा की ऊंचाई आवश्यकता से अधिक बढ़ गई है। ऐसे में उपरी हिस्से को छंटाई कर रोपाई करनी पड़ रही है।

बताना होगा कि कम समय में थरहा तैयार हो इसके लिए गोबर खाद डाल चुके थे। सूखे से मुक्ति मिलने से किसानों के चेहरे में प्रसन्नता देखी जा रही। जल स्त्रोत वाले स्थानों से पाइप बिछाकर पंप से सिंचाई शुरू कर दी थी। किसानों का कहना है कि सबसे अधिक राहत मैदानी खेती के किसानों को मिला है, जिनके खेतों में दरार पड़ने के कारण नमी समाप्त हो चुकी थी। वहां वर्षा वरदान साबित हुआ है। पखवाड़े भर पहले पाली तहसील में सबसे से कम वर्षा हुई थी। वर्तमान स्थिति में तहसीलवार वर्षा का आकलन करें तो 562ण्4 मिमी वर्षा के साथ पाली चौथे स्थान पर आ गया है। वहीं सबसे कम 430.6 मिमी वर्षा वाले तहसील में हरदीबाजार आ गया है। धान के साथ खरीफ में बोई जाने वाली दलहन और तिलहन में भी प्रगति आने लगी है। खास बात यह है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत धान के बदले अन्य फसल लगाने वाले किसानों को भी वर्षा से राहत मिली है। बीते वर्ष 3,324 किसानों ने कोदो की खेती की थी। इस बार यह बढ़कर 4,231 हो गई है। इसी तरह मक्का व रामतिल जैसे फसल की बोआई में प्रगति आई है।

शुक्रवार को भी आसमान में बादल छाए रहे लेकिन वर्षा थमने की वजह से किसानों ने राहत की सांस ली। जिला कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक संजय भेलावे ने बताया कि आगामी तीन दिनों के भीतर वर्षा की संभावना कम है। किसानों को चाहिए कि वे जल संरक्षण के प्रति सजग रहें। धान के अलावा सब्जी की खेती में भी प्रगति आई है। लगातार बारिश होने की स्थिति में फसल नुकसान की संभावना बनी रहती है।